

2025

SANSKRIT — MINOR

Paper : MN-1

(General Grammar and Metre)

Full Marks : 75

*The figures in the margin indicate full marks.**Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.*

Unit – I

1. अधोलिखितेषु पञ्चानां संस्कृतभाषया देवनागरलिप्या च शब्दरूपं लेखनीयम्।

1×5

(निम्नलिखित যে-কোনো পাঁচটি শব্দরূপ সংস্কৃতভাষায় এবং দেবনাগরী লিপিতে লেখো।)

(ক) নর + ষষ্ঠী - বহুবচনম্।

(খ) মুনি + তৃতীয়া - একবচনম্।

(গ) মধু + দ্বিতীয়া - বহুবচনম্।

(ঘ) গুণিন্ + তৃতীয়া - বহুবচনম্।

(ঙ) নদী + পঞ্চমী - একবচনম্।

(চ) ত্রি + পুংসি দ্বিতীয়া - একবচনম্।

(ছ) যুগ্মদ্ব + তৃতীয়া - একবচনম্।

2. সংস্কৃতভাষয়া দেবনাগরलिप्या च यथेच्छं पञ्च धातुरूपाणि लेख्यानि।

1×5

(যে-কোনো পাঁচটি ধাতুরূপ সংস্কৃতভাষায় এবং দেবনাগরী লিপিতে লেখো।)

(ক) √পা + লৃট্ - মধ্যমপুরুষে একবচনম্।

(খ) √কৃ + লৃট্ - মধ্যমপুরুষে দ্বিবচনম্।

(গ) √গ্রহ্ + লট্ - প্রথমপুরুষে বহুবচনম্।

(ঘ) √চি + লট্ - মধ্যমপুরুষে বহুবচনম্।

(ঙ) √লিখ্ + লজ্ - প্রথমপুরুষে বহুবচনম্।

(চ) √সেব্ + লোট্ - মধ্যমপুরুষে একবচনম্।

(ছ) √শ্রু + বিধিলিঙ্ - উত্তমপুরুষে একবচনম্।

Please Turn Over

(5488)

3. अधःप्रदत्तेषु अव्ययेषु यथेच्छं पञ्चभिः सुरगिरा देवनागरलिप्या च वाक्यानि विरचनीयानि।

2×5

(ये-कोनो पाँचटि अव्ययपदेषु द्वारा संस्कृतभाषाय एवम् देवनागरी लिपिते वाक्यरचना करो।)

(क) ऋते

(ख) श्वः

(ग) प्रातः

(घ) शनैः

(ङ) परितः

(च) अधः

(छ) इव।

4. अधोरेखाङ्कितेषु पदेषु यथेच्छं पञ्चानां कारकविभक्तिप्रयोगः सकारणं निर्णयः।

2×5

(निम्ने रेखाङ्कित पाँचटि पदेषु सकारण कारक-विभक्ति निर्णय करो।)

(क) माता पुत्रं चन्द्रं दर्शयति।

(ख) श्रमम् अन्तरेण विद्या न भवति।

(ग) कवीनां रवीन्द्रनाथः श्रेष्ठः।

(घ) रवौ उदिते पद्मं प्रकाशते।

(ङ) राजा दरिद्राय वस्त्रं ददाति।

(च) रामः पादेन खञ्जः।

(छ) सर्पात् त्रायते।

5. यथेच्छं पञ्चानां सविग्रहं समासाः निर्णयः।

2×5

(विग्रहवाक्यस्य ये-कोनो पाँचटि समास निर्णय करो।)

(क) त्रिभुवनम्

(ख) वनेचरः

(ग) दुर्भिक्षम्

(घ) अनाहारः

(ङ) देवासुरौ

(च) नीलोत्पलम्

(छ) मुखचन्द्रः।

6. (A) यथेच्छं पञ्चानां सन्धिः कार्यः।

1×5

(ये-कोनो पाँचटि सन्धि करौ।)

(क) रवि + इन्द्रः

(ख) नदी + अम्बु

(ग) हत + उद्धारः

(घ) बृहत् + टीका

(ङ) नमः + करोति

(च) ने + अकः

(छ) महान् + लाभः।

(B) यथेच्छं पञ्चानां सन्धिविच्छेदः करणीयः।

1×5

(ये-कोनो पाँचटि सन्धिविच्छेद करौ।)

(क) चलच्चित्रम्

(ख) संस्कृतम्

(ग) गवाक्षः

(घ) दिगन्तः

(ङ) स्वागतम्

(च) प्रतीक्षा

(छ) यद्यपि।

7. अधःप्रदत्तेषु यथेच्छं पञ्चानां परिनिष्ठितरूपं निरूप्यताम्।

1×5

(निम्ने प्रदत्त ये-कोनो पाँचटि परिणत रूप निर्णय करौ।)

(क) √ज्ञा + तुमुन्

(ख) उप-√गम् + ल्यप्

(ग) √वद् + क्त

(घ) पाण्डु + ढक्

(ङ) √कृ + तव्य

(च) √कृ + शानच्

(छ) कुल + ख।

8. अधोलिखितेषु यथामति पञ्चानां व्युत्पत्तिः निरूपणीया।

1×5

(ये-कोनो प्रौढि ब्युत्पत्ति निरूपण करो।)

(क) पराजित्य

(ख) बुद्धिमत्

(ग) हत

(घ) गत्वा

(ङ) भार्गव

(च) श्रोतुम्

(छ) दर्शन।

9. यथेच्छं पञ्चानां वाक्यानाम् अशुद्धिसंशोधनं कृत्वा पुनः शुद्धवाक्यं लिख्यताम्।

2×5

(ये-कोनो प्रौढि बाक्यो अशुद्धि संशोधन करे पुनराय शुद्ध बाक्य लिखो।)

(क) अहं विद्यालये गच्छति।

(ख) स्वादुमत्रं खादन्ति शिशुः।

(ग) सत्यं परित्यक्त्वा मिथ्यां न भज।

(घ) पूजय भगवानं मनं च शोधय।

(ङ) मे नास्ति व्याघ्रस्य भयम्।

(च) सूर्यः पूर्वे दिके उदेति।

(छ) प्राते गङ्गायाः निकषा मन्दं वायुः प्रवहति।

10. अधोलिखितेषु पञ्चानां पदानां विकल्परूपं लेखनीयम्।

1×5

(निम्ने प्रदत्त प्रौढि पदो विकल्परूप लेखो।)

(क) मत्याः

(ख) अष्टभिः

(ग) शृणुमः

(घ) अस्मान्

(ङ) वारे

(च) तुभ्यम्

(छ) प्रणम्या